

ADVANCED DIPLOMA

URDU – Paper I

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

(Write your Roll No. on the top of immediately on receipt of this question paper).

- ۲۵ - ۱۔ درج ذیل عنوانات میں سے کسی ایک پر مضمون لکھیے۔
- ۱۔ سماج میں رشوت خوری کی لعنت
- ۲۔ مہنگائی: مسائل اور حل
- ۳۔ سماجی قدروں کا زوال
- ۳۔ آزادی کا مطلب
- ۲۔ وزیر اعلیٰ دہلی کو درخواست لکھیے جس میں غیر قانونی عمارتوں سے پیدا
- ۱۵۔ خطروں کی طرف اشارہ ہو۔

یا

اپنے دوست کو ایک خط لکھیے جس میں غیر ذمہ دارانہ صحافت اور اس کے منفی اثرات کا ذکر ہو۔

- ۳۔ درج ذیل محاروں سے صرف پانچ کے معنی لکھیے اور جملوں میں استعمال کیجیے۔ ۱۰
- دون کی لینا۔ نو دو گیارہ ہونا۔ آنکھیں دکھانا۔

(2)

- ناکوں چنے چبوانا۔ ناک کا بال ہونا۔ طوطا چشمی کرنا۔
اپنے منہ میاں مٹھو بننا۔ دودھ کا دودھ، پانی کا پانی کرنا
گھڑیاں کے آنسو رونا۔ دھوبی کا کتتا ہونا۔
- ۱۰ ذیل میں سے صرف دو کی تعریف لکھیے:
۱۔ آزاد نظم
۲۔ رباعی
۳۔ مرثیہ
۴۔ مثنوی
- ۱۵ ذیل میں سے صرف تین کی تعریف کیجیے اور مثالیں بھی دیجیے۔
۱۔ استعارہ
۲۔ مجاز مرسل
۳۔ تلمیح
۴۔ صنعت تضاد
- ۱۰ درج ذیل الفاظ کو جملوں میں استعمال کیجیے:
دل زبا۔ رقص۔ علاقہ۔ سرفروش۔ غالب
- ۱۵ درج ذیل اقتباسات میں سے کسی ایک کا ترجمہ آسان اردو میں کیجیے۔

(الف)

Yet Dalit; have been sufficiently and elaborately analysed. There is adequate knowledge about them, relevant to their empowerment and to the Society, Economy and Polity of India. What they need now is long-delayed comprehensive action to comprehensively and decisively change their conditions so that they do not remain Dalits,

(3)

they cease to be the Oppressed and the deprived and they become co-masters of the land along with the elite and other people of India, and become the captains of their fate and determiners of their future.

(ब)

‘फ़ैज़ की शाइरी एक ऐसा संगीत है जो मालूम तो होता है रोमानी, मगर असलान् इजतिहारी है—अपने रोमानी तेवर में भी ख़ालिसन् इन्क़िलाबी। यानी संघर्षों में उसका जन्म हुआ है।’

‘फ़ैज़’ के कलाम में वह नर्मी और मिठास है जो मन को मोह लेती है। जिस गहरी समझ, भावनागत निश्छलता और कलात्मकता से प्रेमानुभूतियों को उन्होंने सामाजिक समस्याओं के साथ मिलाकर पेश किया है, वह अपने-आपमें अमृतपूर्व है। उनकी नज़्में उर्दू की बेहतरीन नज़्में हैं और नज़्म की सारी विशेषताएँ और भी निखर-सँवरकर उनकी ग़ज़लों में ढल गई हैं।

‘फ़ैज़’ मानवीय मूल्यों की गरिमा के महान नायक हैं। उनकी शाइरी में मानवीय सम्बन्धों की प्रेममय सहजता उजागर हुई है, जिसका लक्ष्य हर तरह के ज़ोर-जुल्म और शोषण-व्यवस्था का उन्मूलन है। उनके दावों और अमल में, कथनी और करनी में कहीं टकराव नहीं, उनके व्यक्तित्व की यह विशिष्टता उनके काव्य की भी शक्ति और विशिष्टता है। भारत और पाकिस्तान के साथ-साथ विश्व-भर में उनकी असाधारण लोकप्रियता इसका एक ज्वलन्त प्रमाण है।